केवल आन्तरिक वितरण हेतु

परिसर समाचार

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विष्वविद्यालय, पंतनगर–263145, ऊधम सिंह नगर, उत्तराखण्ड

वर्ष : 4, अंक : 3 पाक्षिक 1–15 जनवरी, 2012

नव वर्श 2012 की हार्दिक षुभकामनाएं

वर्ष 2012 के शुभारम्भ पर कुलपति डा. बी.एस. बिष्ट ने परिसरवासियों को सम्बोधित किया

दिनांक 2 जनवरी, 2012 को वर्ष 2012 के षुभारम्भ पर कुलपति, डा. बी.एस. बिष्ट ने गांधी सभागार में षिक्षकों, वैज्ञानिकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों को सम्बोधित किया। नये वर्ष की बधाई देते हुए उन्होंने सभी को स्वस्थ, सुखी एवं मंगलमय वर्ष हेतु शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि सभी के सहयोग, लगन एवं मेहनत के कारण विष्वविद्यालय में सभी कार्य जैसे प्रवेष प्रतियोगिताओं का आयोजन, उनके परिणामों की घोषणा, काउंसिलिंग, षिक्षण सत्र का प्रारम्भ, परीक्षाओं का आयोजन, दीक्षांत समारोह का आयोजन एवं उपाधियों का दिया जाना इत्यादि समय पर संपन्न हुए। विद्यार्थियों का सेवायोजन भी अधिक संख्या में व अच्छी कम्पनियों में हुआ। साथ ही विद्यार्थियों द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं में अच्छे स्थान प्राप्त किये गये। विष्वविद्यालय के स्टाफ द्वारा भी राज्य स्तर पर रूड़की में आयोजित प्रतियोगिता में 43 मैडल जीतकर ऊधम सिंह नगर जिले को प्रथम स्थान दिलाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया गया। तकनीकी षिक्षा गुणवत्ता सुधार परियोजना में चौथा स्थान प्राप्त कर विष्वविद्यालय ने अगले चरण के लिए 11 करोड़ रूपये प्राप्त किये जिसमें से 2 करोड़ रूपये वर्ष 2011 में ही प्राप्त हो गये। नये निर्माणों की ओर ध्यान दिलाते हुए डा. बिष्ट ने कहा कि विष्वविद्यालय में एक आधुनिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स तथा 3 हजार लोगों की क्षमता वाला एक बड़े हाल का निर्माण प्रगति पर है जिसका नामकरण पूर्व कुलपति, डा. डी.पी. सिंह के नाम पर किया जायेगा। कुलपति ने इस वर्ष तीन नये छात्रावासों के निर्माण का कार्य आरम्भ करने की बात भी कही। विष्वविद्यालय को वर्ष 2011 में मिले तीन पेटेन्ट तथा विभिन्न विभागों द्वारा आयोजित की गई संगोष्ठियों इत्यादि के बारे में भी उन्होंने बताया। छठे वेतन आयोग की सिफारिषों को वर्ष 2006 से लागू किये जाने तथा बकाया राषि का भुगतान किये जाने की भी उन्होंने विषेष रूप से चर्चा की। विष्वविद्यालय में एक सामुदायिक रेडियो केन्द्र की स्थापना व विभिन्न प्रकाषनों के समय से प्रकाषन की भी उन्होंने सराहना की। षिक्षकों के रिक्त पदों को भरे जाने सम्बन्धित विज्ञापन दिये जाने, समय से प्रोन्नति एवं समयमान वेतनमान दिये जाने व मृतक आश्रितों की भर्ती को कुलपति ने विष्वविद्यालय द्वारा स्टाफ के हित में किये गये कार्यों के रूप में प्रस्तुत किया। उन्होंने सभी से स्व–अनुषासन व समय से कार्य को पूर्ण करने की अपेक्षा करते हुए विष्वविद्यालय परिसर को स्वच्छ रखने की अपील की तथा पुनः नव वर्ष पर सभी को सुखी एवं स्वस्थ रहने की शुभकामनाएं दी। विष्वविद्यालय के कुलसचिव, डा. जे. कुमार ने अंत में कुलपति एवं उपस्थित सभी कर्मचारियों का धन्यवाद किया।

सब्जी व फलों की गुणवत्ता व उत्पादन में वृद्धि हेतु संरक्षित खेती पर राष्ट्रीय संगोश्ठी का आयोजन

दिनांक 11 जनवरी, 2012 को कृषि महाविद्यालय के सब्जी विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित 'प्रोटेक्टेड कल्टीवेषन ऑफ वेजीटेबिल्स एण्ड फ्लावर्स–ए वैल्यू चेन एप्रोच' विषय पर एक द्वि–दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का

आयोजन किया गया। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता विष्वविद्यालय के कुलपति डा. बी.एस. बिष्ट ने की। सत्र के मुख्य अतिथि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् की राष्ट्रीय कृषि नवोन्मेषी परियोजना के राष्ट्रीय निदेषक, डा. बंगाली बाबू थे। रक्षा शोध एवं विकास संस्थान (डी.आर.डी.ओ.) के पूर्व निदेषक, डा. ब्रहम सिंह तथा विवेकानन्द पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, अल्मोड़ा के निदेषक, डा. जे.सी. भट्ट सत्र में विषिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। अपने उद्घाटन सम्बोधन में कुलपति डा. बिष्ट ने कहा कि संरक्षित खेती को किसान एक तकनीक की तरह गहराई से समझकर अपनायें, इसे मात्र एक पॉलीथीन से ढ़की हुई संरचना न समझें। उन्होंने कहा कि पॉलीहाउस के निर्माण में गूढ़ तकनीकों का समावेष है जिनको अपनाने से सब्जियों एवं फूलों के उत्पादन में कई गुना वृद्धि की जा सकती है। डा. बिष्ट ने बताया कि उत्तराखण्ड के पिथौरागढ़ एवं लोहाघाट जिलों में विष्वविद्यालय के सहयोग से किसानों ने पॉलीहाउस में उत्पादन को अपनाया है तथा उनकी व क्षेत्र की आर्थिक स्थिति में काफी सुधार हुआ है जिसे देखकर उत्तराखण्ड से पलायन कर गये किसान अब धीरे–धीरे वापस आ रहे हैं। कुलपति ने विष्वविद्यालय द्वारा विकसित सब्जियों की विभिन्न उच्च उत्पादक प्रजातियों के बारे में बताते हुए पॉलीहाउस के लिए विषेष रूप से विकसित की गई टमाटर एवं खीरे की प्रजातियों की जानकारी भी दी। डा. बिष्ट ने संरक्षित खेती को अधिक उपयोगी बनाने में किसानों के स्वयं सहायता समूह, सहकारी संस्थानों, बैंक इत्यादि की भूमिका को भी महत्वपूर्ण बताया।

विषिष्ट अतिथि, डा. बंगाली बाबू ने कहा कि तैयार फसल की तुड़ाई एवं बाजार तक उसे पहुंचाने हेतु पैकिंग एवं परिवहन अत्यधिक महत्वपूर्ण पहलू हैं जिनकी ओर विषेष ध्यान देने की आवष्यकता है जिससे उत्पाद की गुणवत्ता को होने वाले नुकसान को बचाया जा सके तथा इसे अधिक दिनों तक सुरक्षित रखकर दूरस्थ बाजार में बिक्री हेतु भेजा जा सके। उन्होंने कहा कि संरक्षित खेती में बहुत अधिक संभावनाएं हैं जिसके विभिन्न आयामों को और अधिक विष्लेषित किये जाने की आवष्यकता है। डा. बंगाली बाबू ने दूसरों की नकल न कर अपनी विषेषताओं को अपनी ताकत के रूप में प्रस्तुत करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि हमारी विषेषता सुगन्ध वाले फूल हैं हमें उनके उत्पादन एवं निर्यात पर ध्यान देना चाहिए न कि दूसरे देषों के फूलों को अपने यहां उत्पादित करने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि इस संगोष्ठी के विषय में मूल्य चेन को जोड़ा जाना आज की आवष्यकता के अनुरूप है जिसमें प्रत्येक हिस्सेदार की उत्पाद के मूल्य को कम करने में अपनी भूमिका है। डा. ब्रहम सिंह ने कहा कि संरक्षित खेती को डी.आर.डी.ओ. में बहुत पहले से अपनाया जा रहा है तथा लद्दाख में आज इसके कारण हरियाली नजर आती है तथा उस क्षेत्र की कई माह की सब्जियों की आवष्यकता की पूर्ति की जा रही है। उन्होंने कहा कि पॉलीहाउस, नैट हाउस या ग्लास हाउस की तकनीक को क्षेत्र एवं किसान की आवष्यकता के अनुसार निर्मित किया जाना चाहिए जिसमें और अधिक शोध किये जाने की आवष्यकता है। साथ ही इन संरचनाओं के रख–रखाव की व्यवस्था भी उपलब्ध होनी चाहिए। इस अवसर पर डा. जे.सी. भट्ट ने कहा कि पर्वतीय क्षेत्रों में पॉलीहाउस की तकनीक को प्रचारित करने हेतु विभिन्न मॉडल बनाये जाने आवष्यक हैं ताकि उपलब्ध संसाधनों का पुनः प्रयोग किया जा सके। साथ ही पॉलीहाउस में अपनाये जाने के लिए विभिन्न फसल–चक्रों की जानकारी भी आवष्यक है। विष्वविद्यालय के निदेषक शोध, डा. जे.पी. पाण्डे तथा अधिष्ठाता कृषि, डा. जे. कुमार ने देष में सब्जी उत्पादन को कई गुना अधिक बढ़ाने के लिए पॉलीहाउस में सब्जी उत्पादन अपनाने की वकालत करते हुए इसे संसाधनों के सीमित प्रयोग, रसायनों के कम प्रयोग व जलवायुवीय कारकों के उचित प्रयोग के द्वारा गुणवत्तायुक्त उत्पादन प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण बताया। उद्घाटन सत्र के प्रारम्भ में संगोष्ठी के संयोजक, डा. डी.के. सिंह ने सभी का स्वागत किया तथा अंत में सब्जी विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष, डा. वाई.वी. सिंह ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया। संगोष्ठी में देष भर के कृषि विष्वविद्यालय व अन्य संस्थानों से सब्जी व औद्यानिकी के साथ–साथ सम्बन्धित विषयों के जाने–माने वैज्ञानिकों ने प्रतिभाग किया।

अन्तर्राश्ट्रीय युवा सम्मेलन का आयोजन

दिनांक 12 जनवरी, 2012 को विष्वविद्यालय के गांधी हाल में सांस्कृतिक चेतना परिषद् एवं विवेकानन्द स्वाध्याय मण्डल द्वारा स्वामी विवेकानन्द की 150वीं जयंती के अवसर पर दो–दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय युवा सम्मेलन, जिसका विषय **'एकात्म मानव वाद के लिए युवा'** था, का आयोजन किया गया। उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि देव संस्कृति विष्वविद्यालय, हरिद्वार के कुलाधिपति, डा. प्रणव पाण्डया थे। सत्र की अध्यक्षता विष्वविद्यालय के कुलपति, डा. बी.एस. बिष्ट ने की। इस अवसर पर प्रसिद्ध दार्षनिक एवं सामाजिक कार्यकर्ता, श्री दत्तात्रेय होसबाले एवं षिखर समूह के प्रबन्ध महानिदेषक, श्री मनोज जोषी विषिष्ट अतिथि के रूप में मंचासीन थे। डा. बिष्ट ने अपने अध्यक्षीय सम्बोधन में कहा कि विष्वविद्यालयों का कार्य केवल उपाधियां प्रदान करना नहीं है बल्कि विद्यार्थियों को मानवता एवं सत्चरित्र की षिक्षा देकर उन्हें एक अच्छा नागरिक बनाना भी विष्वविद्यालयों का कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि युवा आज की स्थिति में बदलाव लाने के लिए उत्सुक एवं संवेदनषील दिखायी पड़ रहा है लेकिन उसे सही दिषा देने वाला मार्गदर्षक होना आवष्यक है। यह कार्य भी विष्वविद्यालयों द्वारा सम्पूर्ण षिक्षा देकर किया जा सकता है जो विद्यार्थियों को तरास कर उनके व्यक्तित्व को हीरे की तरह चमकदार बना सकती है। पंतनगर विष्वविद्यालय में दी जा रही षिक्षा को डा. बिष्ट ने इसी प्रकार की षिक्षा देने वाली बताया। डा. बिष्ट ने कहा कि भ्रष्टाचार के प्रति सर्वप्रथम अन्दरूनी लड़ाई की जानी होगी ताकि स्वयं के भ्रष्टाचार को मिटाया जा सके तत्पष्चात् समाज से भ्रष्टाचार का उन्मूलन किया जाये। उन्होंने युवाओं को स्वयं को भ्रष्टाचार से दूर रहने के लिए शपथ लेने को भी कहा।

मुख्य अतिथि डा. पाण्डया ने अपने सम्बोधन में कहा कि स्वामी विवेकानन्द जी के विचारों से भारत को स्वतंत्रता प्राप्त हुई। उन्होंने विवेकानन्द जी के आदर्षों से प्रेरणा प्राप्त करते हुए यौवन की परिभाषा उत्साह, उमंग, ऊर्जा, दृढ़ता एवं आत्मबल से ओत–प्रोत होना बताया। यौवन को बसन्त ऋतु से तुलना करते हुए उन्होंने युवाओं से युवनायक स्वामी विवेकानन्द के जीवन से प्रेरणा प्राप्त कर भारतीय संस्कृति एवं एकात्म मानववाद के सिद्धान्त को विष्व में फैलाने की उनकी सोच आगे बढ़ाने के लिए कहा। साथ ही वैष्वीकरण के युग में भौतिक आकर्षण से प्रेरित युवाओं को भौतिक वाद से बचते हुए एक दीपक की तरह जलते हुए विष्व में फैले अज्ञान के अंधकार को मिटाने के लिए कहा। इस अवसर पर श्री दत्तात्रेय होसबाले ने अपने सारगर्भित संबोधन में आज के परिवेष में स्वामी विवेकानन्द के विचारों की प्रसंगिकता के बारे में बताया। उन्होंने सभी जीवों में परमात्मा के अंष के रूप में स्थित आत्मा के निवास को समझते हुए सभी को एक–दूसरे के जुड़ने का संदेष दिया। उन्होंने युवाओं का आह्वान किया कि वे विवेकानन्द जी के विचारों को आत्मसात करते हुए आध्यात्मिक शक्ति से विष्व पर विजय प्राप्त करें और विष्व गुरू बनें। इस अवसर पर षिखर ग्रुप के प्रबन्ध निदेषक मनोज जोषी एवं सम्मेलन के संयोजक डा. षिवेन्द्र कष्यप ने भी अपने विचार रखे। इससे पूर्व विवेकानन्द स्वाध्याय मण्डल के अध्यक्ष डा. जी.के. सिंह ने देष–विदेष से सम्मेलन में पधारे लोगों का स्वागत किया तथा कार्यक्रम के अंत में अधिष्ठाता छात्र कल्याण डा. ए.के. कर्नाटक ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर स्वामी विवेकानन्द एवं युवा महोत्वस से सम्बन्धित कई प्रकाषनों का विमोचन किया गया। कुलपति द्वारा उपस्थित अतिथियों को शॉल ओढ़ाकर एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित भी किया गया। संगोष्ठी में सुश्री निवेदिता भिड़े, श्री रवि अय्यर, श्री शषि धीमन, श्री अशोक एन. भास्करवार, श्री जगदीश उपासने, सुश्री नंदिता पाठक, श्री राजेन्द्र चड्ढा सहित देष–विदेष से आये लगभग 300 युवा प्रतिभागी उपस्थित थे।

विवेकानन्द जयंती के अवसर पर पंतनगर में युवा रैली

दिनांक 12 जनवरी, 2012 को स्वामी विवेकानंद की 150वी जयंती के अवसर पर विश्वविद्यालय में युवा 2012 महोत्सव का शुभारंभ प्रातः 5:00 बजे युवा रैली से हुआ, जो स्टीवेंसन स्टेडियम से प्रारंभ होकर गाँधी भवन पर पहुँच कर संपन्न हुई। इस रैली का विषय था 'देश के लिए युवा'। इस युवा रैली का प्रतिनिधित्व गायत्री परिवार के प्रमुख एवं देव संस्कृति विश्वविद्यालय के कुलाधिपति, श्री प्रणव पण्डया ने किया। रैली में विश्वविद्यालय के कुलपति, डा. बी.एस. बिष्ट;

अधिष्ठाता छात्र कल्याण, डा. ए.के. कर्नाटक; युवा 2012 के संयोजक, डा. एस.के. कष्यप तथा विश्वविद्यालय के अन्य पदाधिकारीगण एवं छात्र–छात्राएं सम्मिलित हुए। इस रैली का आयोजन युवाओं में देश के प्रति उनके कर्तव्यों का स्मरण कराने हेतु किया गया। इस युवा रैली में विश्वविद्यालय के छात्र–छात्राओं ने उत्साह दिखाते हुए बड़ी संख्या में सहभागिता कर रैली को सफल बनाने में अपना योगदान दिया। युवा रैली का समापन गाँधी भवन पर हुआ जहाँ पर श्री राजेन्द्र चड्ढा एवं डा. कश्यप द्वारा छात्र–छात्राओं को किसी भी तरह के नशे से दूर रहने तथा भीतर से युवा रहने की शपथ दिलायी।

अखिल भारतीय सब्जी परियोजना की 30वीं वार्शिक कार्यषाला का आयोजन

दिनांक 13 जनवरी, 2012 को आई.सी.ए.आर. की अखिल भारतीय सब्जी परियोजना की 30वीं वार्षिक कार्यषाला का आयोजन किया गया। कार्यषाला के मुख्य अतिथि भारतीय कृशि अनुसंधान परिषद के उपमहानिदेषक (औद्यानिकी), डा. एच.पी. सिंह थे। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता विष्वविद्यालय के कुलपति डा. बी. एस. बिष्ट ने की। इस अवसर पर सहायक महानिदेषक (औद्यानिकी), डा. उमेष श्रीवास्तव; भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान, वाराणसी के निदेषक, डा. पी.एस. नायक; भी विषिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। परियोजना के समन्वयक, डा. बी. सिंह; विष्वविद्यालय के निदेषक, षोध, डा. जे.पी. पाण्डे; तथा विभागाध्यक्ष, सब्जी विज्ञान विभाग, डा. वाई.वी. सिंह भी उद्घाटन सत्र में मंचासीन थे। यह कार्यषाला विष्वविद्यालय के सब्जी विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित की गयी। उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए परिषद के उपमहानिदेषक (औद्यानिकी), डा. एच.पी. सिंह ने कहा कि घटती कृषि भूमि, पानी की कमी, जलवायु परिवर्तन जैसी चुनौतियों के होते हुए भी भारतीय वैज्ञानिक आवष्यकतानुसार सब्जी उत्पादन करने में पूर्णतः सक्षम है। उन्होंने कहा कि उपलब्ध जीन एवं जीनोमिक्स, नानो तकनीक जैसे ज्ञान के द्वारा सब्जियों एवं अन्य फसलों के उत्पादन में कई गुना बढोत्तरी की जा सकती है। उन्होंने कहा कि सब्जियां अब भोजन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है तथा कुछ क्षेत्रों में सब्जियों को खाने के रूप में ही प्रयोग किया जाता है। उन्होंने पंतनगर विष्वविद्यालय द्वारा हरित क्रांति में दिये गये योगदान के साथ–साथ कई सब्जियों की प्रथम प्रजाति विकसित करने के लिए भी सराहना की। डा. सिंह ने वैज्ञानिकों को इस अखिल भारतीय परियोजना में भविष्य में अपनायी जाने वाली रणनीति के बारे में भी दिषा–निर्देष दिये।

अपने अध्यक्षीय सम्बोधन में कुलपति डा. बिष्ट ने कहा कि विष्वविद्यालय द्वारा विकसित सब्जी की प्रजातियों से उत्तराखण्ड में सब्जी उत्पादन में काफी वृद्धि हुई है। विषेषकर पर्वतीय क्षेत्रों में पालीहाउस में किये जा रहे सब्जी उत्पादन के कारण वहां के किसानों की आर्थिक स्थिति में बहुत बदलाव आया है। डा. बिष्ट ने कहा कि सब्जियों में तुड़ाई के बाद होने वाली क्षति चिंता का विषय है जिसे रोकने के लिए विषेष प्रयास करने की आवष्यकता है। कुलपति ने विष्वविद्यालय में चल रहे षिक्षण, शोध एवं प्रसार कार्यक्रमों की जानकारी दी। इस अवसर पर डा. उमेष श्रीवास्तव, डा. पी.एस. नायक, डा. जे.पी. पाण्डे ने भी अपने विचार प्रकट करते हुए सब्जियों की उत्पादकता बढाये जाने पर बल दिया ताकि प्रति व्यक्ति सब्जियों की उपलब्धता मानकों के अनुसार हो सके। डा. बी. सिंह ने परियोजना में पिछले वर्ष किये गये कार्यों एवं उनसे प्राप्त परिणाम व उपलब्धियों की जानकारी दी। कार्यक्रम के प्रारम्भ में डा. जे.पी. पाण्डे ने सभी का स्वागत किया तथा अंत में डा. वाई.वी. सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर कई प्रकाषनों का विमोचन किया गया तथा सब्जी विज्ञान क्षेत्र के प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों को सम्मानित किया गया। परियोजना के पंजाब कृषि विष्वविद्यालय स्थित केन्द्र को सब्जी प्रजनन एवं शोध के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए लेफ्टिनेन्ट अमित सिंह मैमोरियल अवार्ड से सम्मानित किया गया। कार्यषाला के उद्घाटन सत्र में सब्जी विज्ञान की महत्वपूर्ण पुस्तकों का विमोचन हुआ। इनमें पंत विष्वविद्यालय के प्रकाषन निदेषालय द्वारा प्रकाषित नई पुस्तक 'सब्जियों के प्रमुख रोग एवं उनका प्रबंधन' भी सम्मलित थी। इस पुस्तक में बैंगन, टमाटर, मटर, भिंडी, गोभी व खीरा वर्गीय सब्जियों के साथ ही कंदीय व पत्तीदार सब्जियों के रोगों तथा उनके बचाव के उपयों की व्यावहारिक जानकारी दी गई है।

राश्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत सात दिवसीय विषेश षिविर का आयोजन

दिनांक 28.12.2011 से 03.01.2012 तक प्रौद्योगिक महाविद्यालय में सात दिवसीय राश्ट्रीय सेवा योजना के विषेश षिविर का आयोजन किया गया। इस षिविर में महाविद्यालय के तृतीय वर्श के सभी छात्रों ने भाग लिया। सभी छात्रों को पांच इकाइयों में विभाजित किया गया था एवं प्रत्येक इकाई ने अपने कार्यक्रम अधिकारी के नेतृत्व में कार्य किया। षिविर का उद्घाटन प्रौद्योगिक महाविद्यालय के अधिश्ठाता डा. एच.सी. षर्मा द्वारा किया गया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि एन.एस.एस. षिविर के माध्यम से छात्रों को समाज सेवा प्रति व्यावहारिक ज्ञान मिलता है। इन सात दिनों में छात्र/छात्राओं ने परिसर के ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर सर्वेक्षण कर वहाँ पर रह रहे ग्रामीणों के स्तर का जायजा लिया एवं ग्रामीणों की समस्याओं को नोट किया। सर्वप्रथम सभी स्वयं सेवकों ने सड़कों की स्वच्छता अभियान चलाया जिसके तहत सभी नें ग्राम की सफाई की एवं नालियों से कूड़ा निकाला। इसके पष्चात् स्वयं सेवकों ने साक्षरता अभियान चलाकर ग्राम के सभी अनपढ़ बच्चों/बुर्जगों एवं महिलाओं को अक्षर ज्ञान दिया तथा अभिभावकों से लड़कियों एवं बच्चों को षिक्षित करने का आह्वान किया। इस अवसर पर उनको षिक्षा का महत्व पर एक नुक्कड़ नाटक द्वारा भी समझाने का प्रयास किया। ग्रामवासियों में व्याप्त अंधविष्वास एवं सामाजिक कुरीतियो को ध्यान में रखते हुए स्वयं सेवको ने एड्स, नषा मुक्ति, दहेज प्रथा, बाल मजदूरी, बालविवाह के प्रति जागरूकता पैदा करने हेतु रैली निकाली एवं ग्रामवासियों के साथ चर्चा कर उन्हें इन समाजिक बुराइयों के बारे में अवगत कराया। इस दौरान छात्रों ने 'पर्यावरण बचाओ' रैली भी निकाली एवं ग्रामवासियों को डाकघर एवं बैकों में चलने वाली सूक्ष्म जमा योजनाओं से भी अवगत कराया गया। सिविल इन्जीनियरिंग इकाई के छात्रों ने आपदा प्रबंध एवं भूकम्परोधी भवनों के निर्माण की तकनीकों का गांव वालों को ज्ञान दिया तथा स्थानीय सामग्री को सस्ते घर बनाने में उपयोग पर बल दिया। इसी दौरान गांव में किसी व्यक्ति को रक्त की आवष्यकता हुई तो छात्रों ने रूद्रपुर के अस्पताल में जाकर रक्त दान किया एवं ग्रामवासियों को रक्तदान का महत्व बताया। इस दौरान सात दिनो में छात्र/छात्राओं ने षिविर को जन जागरूक बनाने हेतु रैली, नुक्कड़ नाटको एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से रोचक बनाये रखा जिसमं ग्रामवासियों ने भी काफी उत्साह पूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के समापन पर सिविल इन्जीनियरिंग विभाग के कार्यक्रम अधिकारी श्री सुनील कुमार ने विगत सात दिनों में सम्पन्न हुए कार्यक्रमों से मुख्य अतिथि कार्यक्रम समन्वयक श्री बलविन्दर सोढ़ी को अवगत कराया। कार्यक्रम समन्वयक ने इस सात दिवसीय विषेश षिविर के सफलतापूर्वक आयोजन पर सभी को बधाई दी एवं भविश्य में जागरूकता अभियान जारी रखने का आग्रह किया। इस अवसर पर छात्र/छात्राओं ने ग्रामीणवासियों की मदद से सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किये। समापन अवसर पर सभी कार्यक्रम अधिकारी श्री मनीश तिवारी, श्री पारस, श्री राजेष आदि उपस्थित थे।

प्रौद्योगिक महाविद्यालय में समन्वय–2011 (एनुअल एलुमिनी मीट) का आयोजन

प्रौद्योगिकी महाविद्यालय में पन्तनगर टेक्नोलाजी एलुमिनाई एसोसियेषन के तत्वावधान में प्रत्येक वर्श की भॉति समन्वय–2011 (एनुअल एलुमिनी मीट) समारोह का आयोजन हुआ। इसके तहत 1986 में उत्तीर्ण बैच की रजत जयन्ती मनायी गई। कुलपति जी की अध्यक्षता में आयोजित उद्धाटन समारोह में अनेकों वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किये। इस कार्यक्रम में देष के विभिन्न भागों से 100 से अधिक वरिश्ठ पूर्व छात्रों ने प्रतिभाग किया एवं महाविद्यालय के सभी वर्तमान छात्रों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। अन्य कार्यक्रमों के अतिरिक्त प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अध्यनरत छात्र–छात्राओं ने अपने वरिश्ठ पूर्व विद्याथियों के साथ प्रषिक्षण एवं सेवायोजन संबंधी विभिन्न पहलुओं पर विचार–विमर्ष किया। पन्तनगर टेक्नोलाजी एलुमिनाई एसोसियेषन के जनरल सेकेट्री डा. अखिलेष कुमार ने इन कार्यक्रमों को छात्रों के लिए अत्यन्त उपयोगी बताया एवं सेवायोजन के क्षेत्र में पूर्व विद्यार्थियों के सहयोग पर प्रसन्नता व्यक्त की। प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिश्ठाता डा.एच.सी.षर्मा ने कहा कि ज्ञान हासिल करते समय एक दूसरे के अनुभवों से लाभ उठाना चाहिये। इस अवसर पर एक अनुस्मारिका का विमोचन किया गया एवं सभी प्रतिभागियों को स्मृति चिन्ह प्रदान किये गये।

कैम्पस स्कूल के छात्र क्षितिज श्रीवास्तव ने विज्ञान क्विज प्रतियोगिता में दूसरा स्थान प्राप्त किया

कैम्पस स्कूल के दसवीं कक्षा में अध्ययनरत छात्र क्षितिज श्रीवास्तव ने राश्ट्रीय स्तर पर राश्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस के तत्वावधान में आयोजित विज्ञान क्विज प्रतियोगिता में दूसरा स्थान प्राप्त कर प्रदेष का नाम रोषन किया है। इस उपलब्धि के आधार पर क्षितिज को भाभा परमाणु अनुसंधान संसथान से मुफ्त भ्रमण का भी आंमत्रण मिला है। इस प्रतियोगिता का आयोजन भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग ने जयपुर स्थित राश्ट्रीय विष्वविद्यालय में 27 से 31 दिसम्बर 2011, तक किया था। क्षितिज ने राश्ट्रीय विज्ञान प्रतिभा खोज परीक्षा के दोनों चरणों की परीक्षा को भी उत्तीर्ण करके इस मेधावी छात्र ने मुफ्त में आकाष कोचिंग इंस्टीट्यूट में कोचिंग का प्रस्ताव प्राप्त किया है। क्षितिज की माँ, डा. रूचिरा तिवारी, कीट विज्ञान विभाग में सहायक प्राध्यापक एवं पिता डा. मनोज श्रीवास्तव, भाभा परमाणु अनुसंधान संस्थान में वरिश्ठ वैज्ञानिक है। क्षितिज भविश्य में वैज्ञानिक बनना चाहता है।

प्रषिक्षण एवं सेवायोजन प्रकोश्ठ, प्रौद्योगिक महाविद्यालय

प्रौद्योगिक महाविद्यालय में माह जून, 2012 में उत्तीर्ण होने वाले छात्र/छात्राओं के सेवायोजन हेतु महाविद्यालय के सेवायोजन प्रकोश्ठ के माध्यम से देष की 7 प्रतिश्ठित कम्पनियों द्वारा भ्रमण किया गया तथा मै. टी.सी.एस. द्वारा 136, मारूति सुजुकी इंडिया लि. द्वारा 22, टाटा मोटर्स द्वारा 06, महेन्द्रा एण्ड महेन्द्रा द्वारा 03, भरती कटलर हैमर द्वारा 03, दूसान पावर सिस्टम लि. द्वारा 07 एवं एल.एन्ड टी. द्वारा 04 यानि कुल 181 छात्र–छात्राओं का चयन किया गया।

पंतनगर किसान मेला 15 से 18 मार्च, 2012 तक आयोजित होगा

पंतनगर विष्वविद्यालय का 91वां किसान मेला 15 से 18 मार्च, 2012 तक आयोजित होगा। कुलपति, डा. बी.एस. बिष्ट की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई किसान मेला सलाहकार समिति की बैठक में यह निर्णय लिया गया। डा. बिष्ट द्वारा सुरक्षा की ओर विषेष ध्यान देते हुए इस मेले में सी.सी. टीवी कैमरों को और अधिक संख्या में लगाये जाने के लिए कहा गया, जिनके द्वारा पूरे मेला परिसर पर एक नियंत्रण कक्ष से ही पूरे दिन नजर रखी जा सकेगी। किसानों को रूकने की अधिक सुविधा देने हेतु विष्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों में नये तैयार हो रहे व्याख्यान कक्षों को भी इस कार्य के लिए प्रयोग किया जायेगा। पूर्व की भांति मेले में बिकने वाले बीजों की गुणवत्ता पर विषेष ध्यान दिया जायेगा। साथ ही विष्वविद्यालय के बीजों को भी पैकिंग से पूर्व विषेष रूप से जांचा परखा जायेगा तथा उनका अंकुरण प्रतिषत भी देखा जायेगा। खाने–पीने के स्टालों पर बिक रहे खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता पर विषेष ध्यान दिया जायेगा तथा किसानों के लिए उचित मूल्य पर खाना उपलब्ध कराये जाने की व्यवस्था की जायेगी। पीने के पानी तथा अस्थायी शौचालयों की भी मेले में जगह–जगह व्यवस्था करने के निर्देष भी कुलपति द्वारा दिये गये। बैठक के प्रारम्भ में विष्वविद्यालय के निदेषक प्रसार डा. वाई.पी.एस. डबास ने सभी का स्वागत करते हुए 90वें मेले की समीक्षा बैठक के कार्यवृत्त पर अनुपालन आख्या के बारे में बताया तथा इस 91वें मेले में की जाने वाली व्यवस्थाओं, कार्यक्रमों, बजट एवं समितियों के गठन पर कुलपति जी की स्वीकृति ली। इस मेले का आयोजन भी पूर्व की भांति गांधी मैदान में ही किया जायेगा।

सार्वजनिक सूचना

विष्वविद्यालय परिसर में सड़क हादसे में घायल छात्र श्री रवि कुमार एवं अन्य घटनाओं में घायल छात्रों/परिसरवासियों की आकस्मिक मृत्यु के कारणों का संज्ञान लेते हुए महामहिम श्री राज्यपाल महोदय द्वारा विष्वविद्यालय परिसर के भीतर यातायात सुरक्षा के नियमों का कड़ाई से पालन सुनिष्चित करने के निर्देष पारित किए गए है। महामहिम श्री राज्यपाल के निर्देषों एवं विष्वविद्यालय छात्र एवं परिसर वासियों की सुरक्षा के दृश्टिगत सक्षम अधिकारी द्वारा विष्वविद्यालय परिसर के भीतर चलने वाले सभी वाहन चालकों हेतु निम्न निर्देष निर्गत किए गए है:

1. **दिनांक 15 जनवरी, 2012 से विष्वविद्यालय परिसर के भीतर सभी दुपहिया वाहन चालक (विष्वविद्यालय कर्मी एवं अन्य आगंतुक) अनिवार्य रूप से हैलमेट पहन कर ही वाहन चलाएंगे।**

2. विष्वविद्यालय के छात्रावासों में छात्रों द्वारा मोटरसाइकिल रखे जाने पर पांबदी पूर्व नियमानुसार लागू होगी। नियमों का उल्लंघन करने वाले छात्रों को छात्रावास से निश्कासित किया जा सकता है।
3. विष्वविद्यालय परिसर के भीतर वाहनों की गति 30 किलोमीटर प्रति घंटा से अधिक की नहीं होगी।
4. वाहन वैध लाईसेंस के साथ ही चलाएं तथा वाहन चलाते समय मोबाइल का प्रयोग कदापि न करें।
5. सड़क परिवहन संबंधी सभी नियमों का कड़ाई से पालन सुनिष्चित किया जाए।

दिनांक 15 जनवरी, 2012 से बिना हैलमेट के वाहन चलाने, निर्धारित गतिसीमा से अधिक की गति पर वाहन चलाते, अथवा यातायात नियमों का पालन न करते हुए पाए जाने पर संबंधित व्यक्ति के विरूद्व नियमानुसार दंडात्मक कार्यवाही सुनिष्चित की जाएगी।

निदेषक, प्रषासन